Tender Heart High School, Sector-33 B, Chandigarh.

कक्षा - तीसरी

शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

विषय - हिन्दी साहित्य

पुस्तक : तरंग हिन्दी पाठमाला-3

पाठ-4 तितली का घमंड

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

आज हम कक्षा तीसरी की हिन्दी पाठ्यपुस्तक में दिए पाठ-4 "तितली का घमंड" को पढ़ेंगे व समझेंगे।

एक तितली थी। उसके बहुत सुन्दर और रंग-बिरंगे, चमकीले पंख थे। उस तितली का नाम चमको था। चमको को अपने रंग-रूप पर बहुत घमण्ड था। वह अपने आपको बहुत सुन्दर मानती थी।

एक दिन चमको बगीचे में कभी इस फूल पर तो कभी उस फूल पर टहल रही थी। अचानक उसकी नज़र क्यारी में रेंगते एक कीड़े पर पड़ी। वह कीड़ा लंबा दुबला - पत्ता और मिट्टी के रंग का था। उस कीड़े के शरीर पर एक भी पंख नहीं था। तितली ने जब उस कीड़े को देखा तो वह उसे गंदा लगा और उसे उससे नफ़रत होने लगी। उसने कीड़े से कहा दूर हट। मेरे पास मत आना। तुम बहुत गंदे लग रहे हो। तुम्हें देखकर तो मेरा दिल घबरा रहा है। तितली की बात सुनकर कीड़े ने हँसकर कहा कि

कक्षा - तीसरी

विषय- हिन्दी साहित्य शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

अच्छा ! ऐसी बात है। तुम्हें शायद यह पता नहीं कि कुछ दिन पहले तुम भी मेरी जैसी ही थी। कीड़े की यह बात सुनकर चमको तितली को गुस्सा आ गया। कहने लगी कि तुम झूठ बोल रहे हो। तुम तो इतने गंदे और बदसूरत हो और मैं तो इतनी सुन्दर हूँ। मैं कुछ पहले तुम्हारे जैसी कैसे हो सकती हूँ। तितली को लगा कि कीड़ा उससे झूठ कह रहा है क्योंकि वह उसकी सुन्दरता से जलता है।

कीड़े ने तितली की बातों का बुरा नहीं माना। वह तितली से बोला कि यदि तुम्हें मेरी बात पर विश्वास नहीं हो रहा है लेकिन अभी कुछ दिन बाद तुम खुद ही देख लेना कि मैं सच कह रहा हूँ कि झूठ। 'ठीकहै, देख लूँगी' — ऐसा कहकर चमको तितली उड़ गई। कुछ दिन बाद वही कीड़ा एक छोटी तितली में बदल गया था। चमको तितली जब घूमती हुई उस छोटी तितली के पास आई तो उसे वह बहुत प्यारी लगी। चमको तितली ने उस नन्ही तितली को कहा कि तुम तो बहुत प्यारी हो।

तब नन्ही तितली चमको तितली से कहने लगी कि तुमने मुझे पहचाना नहीं है। मैं तो वही गंदा कीड़ा हूँ जिसे देखकर तुम्हें नफ़रत होती थी। उसकी बात सुनकर चमको तितली घबराकर तेज़ी से उड़ गई और नन्ही तितली खिलखिलाकर हँसने लगी।

बच्चो ! इस कहानी से हमने सीखा कि हमें घमण्ड नहीं करना चाहिए क्योंकि घमंड करने का नतीजा

कक्षा - तीसरी

विषय - हिन्दी साहित्य शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

बुरा ही होता है।

बच्चो, हमारा यह पाठ समाप्त हो चुका है। सभी इसे ध्यान से पढ़ेंगे।

गृहकार्य

सभी छात्र इस पाठ को दो-तीन बार ऊँचे स्वर में पढ़ेंगे तथा नीचे लिखे कठिन शब्द, सुलेख, शब्द-अर्थ तथा वाक्य बनाओ को अपनी-अपनी कॉपी में लिखेंगे।

→ कठिन शब्द

1. रंग-बिरंगे 2. क्यारी 3. घमंड 4. रेंगना 5. कीड़ा 6 गुस्सा 7. प्यारी 8. दुबला-पतला 9. खिलखिलाकर 10. हँसकर।

→ सुलेख

सभी छात्र अपनी कॉपी में एक पृष्ठ सुलेख को सुन्दर लिखाई में लिखेंगे।

→ शब्द अर्थ

1. घमंड - गर्व
2. दुबला-पतला - कमज़ोर
3. गुस्सा - नाराज़ होना
4. नफ़रत - घृणा
5. नन्ही - छोटी
6. रेंगना - धीरे-धीरे चलना

→ वाक्य बनाओ

1. सुन्दर - बगीचे में सुन्दर फूल खिले हैं।
2. तितली - तितली के पंख रंग-बिरंगे होते हैं।
3. घमंड - हमें घमंड नहीं करना चाहिए।
4. नफ़रत - हमें किसी से नफ़रत नहीं करनी चाहिए।
5. क्यारी - मैंने क्यारी में टमाटर के पौधे लगाए हैं।

धन्यवाद।

[Last Page]